Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ______________________

   (Name) ______________________

2. (Signature) ______________________

   (Name) ______________________

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No. ______________________

(In words)

Test Booklet No.

J—1808

PAPER—III

MAITHILI

Time : 2½ hours] **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **32** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**
10. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ / प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले ले। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले / काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
10. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

MAITHILI

मैथिली

PAPER – III

प्रश्न-पत्र – III

NOTE: **This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein. Candidates are required to answer all questions in Maithili only.**

नोट : **प्रस्तुत प्रश्नपत्र दू सय** (200) अंकक अछि एवं एहिमे चारि (4) खण्ड अछि। अभ्यर्थीकेँ एहिमे समाहित प्रश्नक उत्तर फराकसँ देल गेल विस्तृत निर्देशक अनुसार देबाक छनि। सभ प्रश्नक उत्तर मैथिली मे करबाक अछि।

SECTION - I

खण्ड – I

Note : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and each carries five (5) marks.

(5x5=25 marks)

नोट : एहि खण्ड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच(5) प्रश्न अछि। प्रत्येक प्रश्नक उत्तर लगभग तीस (30) शब्दमे अपेक्षित अछि। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकक अछि।

(5x5=25 अंक)

हिमालय सँ कन्याकुमारी धरि पसरल एहि विशाल देशमे जे नाना प्रकारक जाति, धर्म, भाषा, आचार-व्यवहार आदि अछि, से सब माला मे गाँथल रंग-विरंगक फूल जकाँ अपन विशिष्ट सौन्दर्य आ सुगन्धिक रक्षा करैत समष्टि रूप सँ मालारूपी भारतीय संस्कृति कैं अभिनव सौन्दर्य आ सुगन्धि प्रदान करैत रहल अछि। राष्ट्रियताक एक सूत्रमे गाँथल एहि विविधते सभ सँ भारतीय संस्कृतिक इन्द्रधनुषी मनोहारी स्वरूपक निर्माण भेल अछि। भारतक ई एहन विशिष्टता थीक जे संसारक प्राय:आन कोनो देश कैं नहि छैक। इएह कारण थीक जे जखन बाह्य आक्रमणक समक्ष संसारक कतिपय देशक सभ्यता ध्वस्त भऽ गेल, तखन सैकड़ो वर्ष धरि बाह्य आक्रमणक सामना करैत भारत सफलतापूर्वक अपन संस्कृतिक रक्षा करैत रहल। इतिहास साक्षी अछि जे बाह्य आक्रमणक फलस्वरूप आन-आन देशक जे ज्ञान-विज्ञान, कला कौशल आदि भारत पहुँचल तकरा सबकैं भारतीय संस्कृति तेना कऽ ने अपना माटि-पानिमे मिला लेलक जे ओ नवीन परिवेश मे भारतीय संस्कृतिक अंग बनि गेल। शिल्पक गांधारशैली, संगीतक 'मियाँक मल्लार', 'मियाँक टोडी' आदि राग तथा काव्यक क्षेत्र मे नवीन-नवीन शैलीक प्रादुर्भाव भारतीय संस्कृतिक उदार एवं समन्वयवादी दृष्टिकोणक ज्वलन्त उदाहरण अछि।

वैदिक काल सँ लडकड आइ धरि हमर देश सदैव एहि आभ्यन्तरिक राष्ट्रिय एकताक अनुभव करैत आएल अछि। हमरा लोकनिक पूर्वज परिकल्पना कयने छलाह ''संगच्छध्वं संवदध्वं संवो मनांसि जानताम्''। अर्थात् संग-संग चलू संग-संग बाजू आ सभक चित्र एक रहय, जकरा हमरालोकनि आइ भावात्मक एकता कहैत छिऐक तकर यथार्थ स्वरूप इएह थिकैक। हमरालोकनिक प्राचीन आचार संहिता मे एहन व्यवस्था कयल गेल अछि जाहि सँ हमरालोकनिकैं सतत् आभ्यन्तरिक एकताक अनुभव होइत रहय। स्नानक समय मे गंगा, यमुना, सिन्धु, कावेरी, गोदावरी, नर्मदा आदि देशक सभ प्रमुख नदीकैं आव्हान करबाक जे प्रथा अछि तथा अयोध्या मथुरा माया-काशी-कांची अवन्तिकाक रूप मे समटा मोक्ष देनिहार तीर्थक जे नाम गनाओल गेल अछि जे अप्रत्यक्ष रूपमे भारतक भौगोलिक एकताक वन्दना थिक। कैलास सँ कन्याकुमारी धरि समान महत्वक तीर्थक स्थापना कयनिहार हमरालोकनिक पूर्वज सम्भवत: ई आशा कयने होयताह जे एहिसभ तीर्थक पर्यटनसँ देशक लोकमे ई भावना जाग्रत रहतैक जे आहार-व्यवहार, भाषा, वेश-भूषा आदिमे अन्तर रहितो हमरालोकनि एके गाछक शाखा छी, दोसर शब्द मे एक छी।

1. भारतीय संस्कृतिक मनोहारी स्वरूपक निर्माण कोना भेल अछि?

2. भारतक एहन कोन विशिष्टता छैक जे संसारक प्राय: आन कोनो देशकेँ नहि छैक?

3. भारतीय संस्कृति अपना माटि पानि मे की मिला लेलक जे ओ नवीन परिवेश मे संस्कृतिक अंग बनि गेल?

4. हमरालोकनिक पूर्वजक परिकल्पना की छल?

5. हमरालोकनिक प्राचीन आचार संहितामे एहन कोन व्यवस्था कएल गेल अछि जाहिसँ हमरा लोकनिकेँ सतत आभ्यन्तरिक एकताक अनुभव होइत रहए?

SECTION - II

खण्ड – II

Note : This section contains fifteen (15) questions, each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks.

(5x15=75 marks)

नोट : एहि खण्ड में पाँच-पाँच (5-5) अंकक पंद्रह (15) प्रश्न अछि। प्रत्येक प्रश्नक उत्तर लगभग तीस (30) शब्दमे अपेक्षित अछि।

(5x15=75 अंक)

6. खण्डकाव्यक लक्षण लिखू।

7. महाकाव्यक वैशिष्ट्यसँ परिचय कराउ।

8. बैद्यनाथ मिश्र 'यात्री' क कवित्वशक्तिक परिचय दिअ।

9. शंकरदेवक नाट्यकृतिसँ परिचय कराउ।

10. व्यासजीक उपन्यास नव शैलीक प्रवर्त्तन कएने अछि : विचार करु।

11. सुभाष चन्द्र यादवक कथाक विशेषता देखाउ।

12. प्रमुख मैथिलीक समालोचकसँ परिचय कराउ।

13. वर्णरत्नाकरक महत्व पर प्रकाश दिअ।

14. मैथिली पत्र–पत्रिकाक विकासमे मिथिला–मिहिरक योगदानक समीक्षा करु।

15. मैथिली लोककथासँ परिचय कराउ।

16. सुमनजीक रचनामे प्राचीनता एवं नवीनताक संगम अछि : पल्लवित करु।

17. बैद्यनाथ मिश्र 'यात्री' उपन्यासकार छथि किंवा कवि? सयुक्ति विचार करु।

18. ब्रजकिशोर वर्मा 'मणिपद्म' क साहित्यिक परिचय दिअ।

19. 'भारती' खण्डकाव्यक वर्णन शैली पर प्रकाश दिअ।

20. 'कृष्ण-चरित' मे संदीपनि मुनिक आश्रम प्रकृतिक विलक्षण रूप प्रस्तुत करैत अछि : विशद करु।

SECTION - III

खण्ड – III

Note : This section contains five (5) questions from each of the electives / specialisations. The candidate has to choose only one elective / specialisation and answer all the five questions from it. Each question carries twelve (12) marks and is to be answered in about two hundred (200) words.

(12x5=60 marks)

नोट : एहि खंडमे प्रत्येक ऐच्छिक एकाइ/विशेषज्ञतासँ पाँच (5) प्रश्न अछि। अभ्यर्थीकेँ केवल एक ऐच्छिक एकाइ/विशेषज्ञताकेँ चूनि कए ओहिमेसँ पाँचो प्रश्नक उत्तर देबाक अछि। प्रत्येक प्रश्न बारह (12) अंकक अछि, तथा ओकर उत्तर लगभग दू सय (200) शब्द मे अपेक्षित अछि। **(12x5=60 अंक)**

ऐच्छिक / वैकल्पिक - I

विद्यापति

21. विद्यापतिकालीन मिथिलाक सामाजिक परिस्थितिक वर्णन करु।

22. विद्यापतिक अभिसार वर्णन अत्यन्त मार्मिक अछि – एहि कथन पर विचार करु।

23. की विद्यापति शृंगारिक छलाह? समीक्षा करु।

24. विद्यापतिक पदावलीमे शिव विषयक गीतक मीमांसा करु।

25. विद्यापतिक रचनामे प्रकृतिक विलक्षण वर्णन भेल अछि।

ऐच्छिक / वैकल्पिक - II

चन्दा झा

21. चन्दा झा क कृतित्व पर प्रकाश दिअ।

22. मिथिलाभाषा रामायणक आधार पर शक्ति तत्व पर प्रकाश दिअ।

23. चन्दा झा क राजसम्पर्क पर विचार करु।

24. अनुवादकक रूपमे चन्दा झाक परिचय दिअ।

25. मिथिलाभाषा रामायणमे वर्णित बालकाण्डक वैशिष्ट्य पर विचार करु।

ऐच्छिक / वैकल्पिक - III

आधुनिक नाटक

21. आधुनिक मैथिली नाटकमे जीवन झाक स्थान निरुपित करु।

22. मैथिली रेडियो रूपकसँ परिचय कराउ।

23. स्वातंत्र्योत्तर मैथिली नाटकक रूपरेखा प्रस्तुत करु।

24. मैथिली प्रहसनसँ परिचय कराउ।

25. 'अयाची मिश्र' एकाङ्कीक वैशिष्ट्य देखाउ।

ऐच्छिक / वैकल्पिक - IV

आधुनिक कविता

21. 'पत्रहीन-नग्न-गाछ'क समीक्षा करु।
22. आधुनिक मैथिली कवितामे भाव पक्ष ओ कला पक्षक विशेषता देखाउ।
23. 'प्रतिपदा' क प्रतिपदमे लालित्य अछि' - एहि कथन पर विचार करु।
24. आधुनिक मैथिली कवितामे मुखरित राष्ट्रप्रेमक स्वरसँ परिचय कराउ।
25. 'द्वादशी' क मूल्यांकन करु।

ऐच्छिक / वैकल्पिक - V

कथा - उपन्यास

21. उपन्यासक प्रकृति पर विचार करु।
22. मैथिली कथाशिल्पक विकास पर निबन्ध लिखू।
23. प्रभास कुमार चौधरी उपन्यासकार छथि किंवा कथाकार? विश्लेषण करु।
24. मनमोहन झाक कथा अत्यन्त कारुणिक होइत अछि - विचार करु।
25. मैथिली उपन्यास साहित्यक विकासमे मायानन्द मिश्रक स्थान निरूपित करु।

SECTION - IV

खण्ड–IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics.

(40x1=40 marks)

नोट : एहि खंडमे एक चालीस (40) अंकक निबन्धात्मक प्रश्न अछि, जकर उत्तर लगभग एक हजार (1000) शब्दमे कोनो **एक** विषय पर अपेक्षित अछि।

(40x1=40 अंक)

26. (क) मैथिली नाट्य साहित्य।

(ख) मैथिली लोक साहित्य।

(ग) सुरेन्द्र झा 'सुमन'।

(घ) मैथिलीक महाकाव्य।

(ङ) आधुनिक मैथिली काव्यधारा।

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....